**A Summary of the manuscripts and their hiatuses in Scrivener's**

 ***A Full And Exact Collation Of About Twenty Greek Manuscripts Of The Holy Gospels (1853)***

Graham G. Thomason. [www.FarAboveAll.com](http://www.FarAboveAll.com) Originally published on 6 May 2010. Minor changes 19 April 2018, 16 March 2023.

***Identification of the manuscripts***

|  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- |
| Scriv.abbrev. | Scrivener's designation | GregoryAland | Scriv.number | Con-tent | Notes |
|  |  |  |  |  |  |
| a | Lambeth 1175 | 470 | 509e | e |  |
| b | Lambeth 1176 | 471 | 510 e | e |  |
| c | Lambeth 1177 | 472 | 511 e | e |  |
| d | Lambeth 1178 | 473 | 512 e | e |  |
| e | Lambeth 1179 | 474 | 513 e | e |  |
| f | Lambeth 1192 | 475 | 515 e | e |  |
| g | Lambeth 528 | 71 | 71e | e | = Ephesus, Wetstein 71 |
| h | Arundel 524 | 476 | 566e | e |  |
| j | Cotton, Titus C. xv.  | 022, N | N | e | = Purpureus, but only a small part. Most of the rest is in St. Petersburg. |
| k | Lebanon,  | 478 | 575e | e | = Brit. Mus. Addit. 11300 |
| l | Wordsworth | 479 | 542e, 188a, 258p | eapc |  |
| m | Butler 2 | 201 | 201e, 91a, 104p, 94r | eapcr | = Brit. Mus. Addit. 11837 |
| n | Burney 18 | 480 | 568e , 259p | eapc |  |
| o | Burney 19 | 481 | 569e | e |  |
| p | Burney 20 | 482 | 570e | e |  |
| q | Theodori | 483 | 543e, 187a, 257p | eapc |  |
| r | Burney 21 | 484 | 571e | e |  |
| s | Burney 23 | 485 | 572e | e |  |
| t | Lambeth 1350 | 486 | 517e | e |  |
| u | C4 of Todd | 487 | 516e | e | Bennett's collation is Lambeth 1255 |
| v | Lambeth 1180 | 488 | 514e | e |  |
| x | Arundel 547 | ℓ 183 | 257evst | e | Uncial lectionary |
| y | Burney 22 | ℓ 184 | 259evst | e | Minuscule lectionary |

**Hiatuses (as noted by Scrivener)**

| **ms** | **a**  | **b**  | **c** | **d** | **e** | **f** | **g** | **h** | **j** | **k** | **l** | **m** | **n** | **o** | **p** | **q** | **r** | **s** | **t** | **u** | **v** | **x** | **y** | vs | Total |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|  | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 | 11 | 12 | 13 | 14 | 15 | 16 | 17 | 18 | 19 | 20 | 21 | 22 | 23 |  |  |
| Matt 1 | 1-13a |  |  | 1-7 | all |  |  |  | all |  |  |  |  |  |  |  |  |  | all |  | all |  |  | 1-78-13a13b-e | 171819 |
| Matt 2 |  |  |  |  | all |  |  |  | all |  |  |  |  |  |  |  |  |  | all |  | all |  |  | 1-e | 19 |
| Matt 3 |  |  |  |  | all |  |  |  | all |  |  |  |  |  |  |  |  |  | all |  | all |  |  | 1-e | 19 |
| Matt 4 |  |  | all |  | all |  |  |  | all |  |  |  |  |  |  |  |  |  | all |  | all |  |  | 1-e | 18 |
| Matt 5 |  |  | all |  | all |  |  |  | all |  |  |  |  |  |  |  |  |  | all |  | all |  |  | 1-e | 18 |
| Matt 6 |  |  | 1-6⟨7-22⟩ |  | all |  |  |  | all |  |  |  |  |  |  |  |  |  | all |  | all |  |  | 1-67-e | 1819 |
| Matt 7 |  |  |  |  | all |  |  |  | all |  |  |  |  |  |  |  |  |  | all |  | all |  |  | 1-e | 19 |
| Matt 8 |  |  |  |  | all |  |  |  | all |  |  |  |  |  |  |  |  |  | all |  | all |  |  | 1-e | 19 |
| Matt 9 |  |  |  |  | all |  |  |  | all |  |  |  |  |  |  |  |  |  | all |  | all |  |  | 1-e | 19 |
| Matt 10 |  |  |  |  | all |  |  |  | all |  |  |  |  |  |  |  |  |  | all |  | all |  |  | 1-e | 19 |
| Matt 11 |  |  |  |  | all |  |  |  | all |  |  |  |  |  |  |  |  |  | all |  | all | ⟨4,7⟩ |  | 1-e | 19 |
| Matt 12 |  |  |  |  | all |  |  |  | all |  |  |  |  |  |  |  |  |  | all |  | all |  |  | 1-e | 19 |
| Matt 13 |  |  |  |  | 1-52 |  |  |  | all |  |  |  |  |  |  |  |  |  | all |  | all |  |  | 1-5253-e | 1920 |
| Matt 14 |  |  |  |  |  |  | ⟨13-e⟩ |  | all |  |  |  |  |  |  |  |  |  | all |  | all |  |  | 1-e | 20 |
| Matt 15 |  |  |  |  |  |  | ⟨1-16⟩ |  | all |  |  |  |  |  |  |  |  |  | all |  | all |  |  | 1-e | 20 |
| Matt 16 |  |  |  |  | 28-e |  |  |  | all |  |  |  |  |  |  |  |  |  | all |  | all |  |  | 1-2728-e | 2019 |
| Matt 17 |  |  |  |  | 1-18 |  |  |  | all |  |  |  |  |  |  |  |  |  | all |  | all |  |  | 1-1819-e | 1920 |
| Matt 18 |  |  |  |  |  |  |  |  | all |  |  |  |  |  |  |  |  |  | all |  | all |  |  | 1-e | 20 |
| Matt 19 |  |  |  |  |  |  |  |  | all |  |  |  |  |  |  |  |  |  | all |  | all |  |  | 1-e | 20 |
| Matt 20 |  |  | [21-e] |  |  |  |  |  | all |  |  |  |  |  |  |  |  |  | all |  | all |  |  | 1-e | 20 |
| Matt 21 |  |  | [1-12] |  |  |  |  |  | all |  |  |  |  |  |  |  |  |  | all |  | all |  |  | 1-e | 20 |
| Matt 22 |  |  |  |  |  |  |  |  | all |  |  |  |  |  |  |  |  |  | all |  | all |  |  | 1-e | 20 |
| Matt 23 |  |  |  |  |  |  |  |  | all |  |  |  |  |  |  |  |  |  | all |  | all |  |  | 1-e | 20 |
| Matt 24 |  |  |  |  | 39-e |  |  |  | all |  |  |  |  |  |  |  |  |  | all |  | all |  |  | 1-3839-e | 2019 |
| Matt 25 |  |  |  |  | 1-9 |  |  |  | all |  |  |  |  |  |  |  |  |  | all |  | all |  |  | 1-910-e | 1920 |
| Matt 26 |  |  |  |  | 71-e |  |  |  | 1-5666-e |  |  |  |  |  |  |  |  |  | all |  | all |  |  | 1-5657-6666-7071-e | 20212019 |
| Matt 27 |  |  |  |  | 1-14 |  |  |  | 1-2535-e |  |  |  |  |  |  |  |  |  | all |  | all |  |  | 1-1415-2526-3435-e | 19202120 |
| Matt 28 |  |  |  |  |  |  |  |  | all |  |  |  |  |  |  |  |  |  | all |  | all |  |  | 1-e | 20 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| Mark 1 |  |  |  |  |  |  |  |  | all |  |  |  |  |  |  |  |  |  | all |  |  |  |  | 1-e | 21 |
| Mark 2 |  |  |  |  |  |  |  |  | all |  |  |  |  |  |  |  |  |  | all |  |  |  |  | 1-e | 21 |
| Mark 3 |  |  |  |  |  | [6-21] |  |  | all |  |  |  |  |  |  |  |  |  | all |  |  |  |  | 1-e | 21 |
| Mark 4 |  |  |  |  |  |  |  |  | all |  |  |  |  |  |  |  |  |  | all |  | 17-e |  |  | 1-1617-e | 2120 |
| Mark 5 |  |  |  |  |  |  |  |  | all |  |  |  |  |  |  |  |  |  | all |  | all |  |  | 1-e | 20 |
| Mark 6 |  |  |  |  |  |  |  |  | all |  |  |  |  |  |  |  |  |  | all |  | all |  |  | 1-e | 20 |
| Mark 7 |  |  |  |  |  |  |  |  | all |  |  |  |  |  |  |  |  |  | all |  | all |  |  | 1-e | 20 |
| Mark 8 |  |  |  |  | 32-e |  |  |  | all |  |  |  |  |  |  |  |  |  | all |  | all |  |  | 1-3132-e | 2019 |
| Mark 9 |  |  |  |  | 1-9 |  |  |  | all |  |  |  |  |  |  |  |  |  | all |  | all |  |  | 1-910-e | 1920 |
| Mark 10 |  |  |  |  |  |  |  |  | all |  |  |  |  |  |  |  |  |  | all |  | all |  |  | 1-e | 20 |
| Mark 11 |  |  |  |  |  |  |  |  | all |  |  |  |  |  |  |  |  |  | all |  | all |  |  | 1-e | 20 |
| Mark 12 |  |  |  |  |  |  |  |  | all |  |  |  |  |  |  |  |  |  | all |  | all |  |  | 1-e | 20 |
| Mark 13 |  |  |  |  |  |  |  |  | all |  |  |  |  |  |  |  |  |  | all |  | all |  |  | 1-e | 20 |
| Mark 14 |  |  |  |  |  |  |  |  | all |  |  |  |  |  |  |  |  |  | all |  | all |  |  | 1-e | 20 |
| Mark 15 |  |  |  |  |  |  |  |  | all |  |  |  |  |  |  |  |  |  | all |  | all |  |  | 1-e | 20 |
| Mark 16 |  |  |  |  |  |  |  |  | all |  |  |  |  |  |  |  |  |  | all |  | all |  |  | 1-e | 20 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| Luke 1 |  |  |  |  |  |  |  |  | all |  |  |  |  |  |  |  |  |  | all | all | all |  |  | 1-e | 19 |
| Luke 2 |  |  |  |  |  |  |  |  | all |  |  |  |  |  |  |  |  |  | all | all | all |  |  | 1-e | 19 |
| Luke 3 |  |  |  |  |  |  |  |  | all |  |  |  |  |  |  |  |  |  | all | all | all |  |  | 1-e | 19 |
| Luke 4 |  |  | 29-e |  |  |  |  |  | all |  |  |  |  |  |  |  |  |  | all | all | all |  |  | 1-2829-e | 1918 |
| Luke 5 |  |  | 1,17-33 | [30-e] |  |  |  |  | all |  |  |  |  |  |  |  |  | 22-e | all | all | all |  |  | 12-1617-2122-3334-e | 1819181718 |
| Luke 6 |  |  |  | [1-4] |  |  |  |  | all |  |  |  |  |  |  |  |  | all | all | all | all |  |  | 1-e | 18 |
| Luke 7 |  |  |  |  |  |  |  |  | all |  |  |  |  |  |  |  |  | all | all | all | all | ⟨28,29⟩ |  | 1-e | 18 |
| Luke 8 |  |  |  |  |  |  |  |  | all |  |  |  |  |  |  |  |  | all | all | all | all |  |  | 1-e | 18 |
| Luke 9 |  |  |  |  |  |  |  |  | all |  |  |  |  |  |  |  |  | 1-32 | all | all | all |  |  | 1-3233-e | 1819 |
| Luke 10 |  |  |  |  |  |  |  |  | all |  |  |  |  |  |  |  |  |  | all | all | all |  |  | 1-e | 19 |
| Luke 11 |  |  |  |  |  |  |  |  | all |  |  |  |  |  |  |  |  | 31-e | all | all | all |  |  | 1-3031-e | 1918 |
| Luke 12 |  |  |  |  |  | [48-e] |  |  | all |  |  |  |  |  |  |  |  | all | all | all | all |  |  | 1-e | 18 |
| Luke 13 |  |  |  |  |  | [1-2] |  |  | all |  |  |  |  |  |  |  |  | 1-25 | all | all | all |  |  | 1-2526-e | 1819 |
| Luke 14 |  |  |  |  |  |  |  |  | all |  |  |  |  |  |  |  |  |  | all | all | all |  |  | 1-e | 19 |
| Luke 15 |  |  |  |  |  |  |  |  | all |  |  |  |  |  |  |  |  |  | all | all | all |  |  | 1-e | 19 |
| Luke 16 |  |  | 24-e |  |  |  |  |  | all |  |  |  |  |  |  |  |  |  | all | all | all |  |  | 1-2324-e | 1918 |
| Luke 17 |  |  | 1-13 |  |  |  |  |  | all |  |  |  |  |  |  |  |  | 24-e | all | all | all |  |  | 1-1314-2324-e | 181918 |
| Luke 18 |  |  |  |  |  |  |  |  | all |  |  |  |  |  |  |  |  | 1-4 | all | all | all |  |  | 1-45-e | 1819 |
| Luke 19 |  |  |  |  |  |  |  |  | all |  |  |  |  |  |  |  |  |  | all | all | all |  |  | 1-e | 19 |
| Luke 20 |  |  | 19-41 |  |  |  |  |  | all |  |  |  |  |  |  |  |  |  | all | all | all |  |  | 1-1819-4142-e | 191819 |
| Luke 21 |  |  |  |  |  |  |  |  | all |  |  |  |  |  |  |  |  |  | all | all | all |  |  | 1-e | 19 |
| Luke 22 |  |  |  |  |  |  |  |  | all |  |  |  |  |  |  |  |  |  | all | all | all |  |  | 1-e | 19 |
| Luke 23 |  |  |  |  |  |  |  |  | all |  |  |  |  |  |  |  |  |  | all | all | all |  |  | 1-e | 19 |
| Luke 24 |  |  |  |  |  |  |  |  | all |  |  |  |  |  |  |  |  |  | all | all | all |  |  | 1-e | 19 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| John 1 |  |  |  |  |  |  |  |  | all |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | all | all |  | [11-13] | 1-e | 20 |
| John 2 |  |  |  |  |  |  |  |  | all |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | all | all |  |  | 1-e | 20 |
| John 3 |  |  |  |  |  |  |  |  | all |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | all | all |  |  | 1-e | 20 |
| John 4 |  |  |  |  |  |  |  |  | all |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | all | all |  |  | 1-e | 20 |
| John 5 |  |  |  |  |  |  |  |  | all |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | all | all |  |  | 1-e | 20 |
| John 6 |  |  | 51-e |  |  |  |  |  | all |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | all | all |  |  | 1-5051-e | 2019 |
| John 7 | (53-e) |  | all |  |  |  |  |  | all |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | all | 1-52 |  |  | 1-5253-e | 1920\* |
| John 8 | (1-11) |  | 1-2 |  |  |  |  |  | all |  |  |  |  |  |  |  |  | 15-e |  | all | 12-e |  |  | 1-23-1112-1415-e | 20\*21\*2019 |
| John 9 |  |  |  |  |  |  |  |  | all |  |  |  |  |  |  |  |  | all |  | all | all |  |  | 1-e | 19 |
| John 10 |  |  |  |  |  |  |  |  | all |  |  |  |  |  |  |  |  | all |  | all | all |  |  | 1-e | 19 |
| John 11 |  |  |  |  | 8-30 |  |  | 18-41 | all |  |  |  |  |  |  |  |  | all |  | all | all |  |  | 1-78-1718-3031-4142-e | 1918171819 |
| John 12 |  |  | 20-40 |  |  |  |  |  | all |  |  |  |  |  |  |  |  | all |  | all | all |  |  | 1-1920-4041-e | 191819 |
| John 13 |  |  |  |  | 9-e |  |  |  | all |  |  |  |  |  |  |  |  | all |  | all | all | 31-e |  | 1-89-3031-e | 191817 |
| John 14 |  |  | 27-e |  | all |  |  |  | 1,11-e |  |  |  |  |  |  |  |  | all |  | all | all | 1 |  | 12-1011-2627-e | 17191817 |
| John 15 |  |  | 1-13 |  | all |  |  |  | 1-1423-e |  |  |  |  |  |  |  |  | all |  | all | all |  |  | 1-131415-2223-e | 17181918 |
| John 16 |  |  |  |  | all | 8-22 |  |  | all |  |  |  |  |  |  |  |  | all |  | all | all |  |  | 1-78-2223-e | 181718 |
| John 17 |  |  | 9-e |  | all |  |  |  | all |  |  |  |  |  |  |  |  | all |  | all | all |  |  | 1-89-e | 1817 |
| John 18 |  |  | 1-237-e |  | all | [37-e] |  |  | all |  |  |  |  |  |  |  |  | all |  | all | all |  |  | 1-23-3637-e | 171817 |
| John 19 |  |  | 1-14 |  | all | [all] |  |  | all |  |  |  |  |  |  |  |  | all |  | all | all |  |  | 1-1415-e | 1718 |
| John 20 |  |  |  |  | all | [all] |  |  | all |  |  |  |  |  |  |  |  | all |  | all | all | 19-e# |  | 1-1819-e# | 1817+1# |
| John 21 |  |  |  |  | all | [all] |  |  | all |  |  |  |  | ⟨...⟩ |  |  |  | all |  | all | all |  |  | 1-e | 18 |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| John7:53-8:11 | a\*omitsa\*\* has | omits | 531-2 |  |  |  |  |  | all |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | all |  | omits | omits | 53-23-11 | 1718 |

***Notes***

In the manuscript columns, "e" denotes the end of the chapter, e.g. *37-e* means verses 37 to the end of the chapter.

A range such as *1-13a* means from verses 1 to the first part of verse 13. A range such as *13b-e* means from the second part of verse 13 to the end.

\* John 7:53 - 8:11, the *pericope de adultera*, for internal variational purposes, requires using the manuscripts containing it:

* without note of suspicion: **cdefgh\*opqrst**, also with obelisks **klmn**, also in margin **a\*\***, with peculiarities **v** (total 18, but hiatus **c** 7:53-8:2).
* These omit it (not as a hiatus): **a\*bxy** (4).
* Hiatus (not omission) **ju** (2).

See extra entry at end of table.

# John 20:19-e: Scrivener's introduction gives **x** as having a hiatus here, but his collation quotes **x** throughout (6 times in all). Perhaps this is a second hand. We count codex **x** as a witness here.

Brackets:

* Round brackets, (...): a second hand complementing *an omission*. This concerns John 7:53-8:11, dealt with above.
* Square brackets, [...]: a second hand complementing *a hiatus*. We count the second hand as an extra witness, **remembering not to increment the total** **number of witnesses.** (In such cases, Scrivener does not use \* and \*\* notation – he uses italics – so we are not particularly in danger of inadvertently incrementing the total number of witnesses).
* Angle brackets, ⟨...⟩: a comment that could affect legibility/availability, but we assume the witness is present.
* codex **g**: where Traheron's witness covers the now missing sheet.
* codex **o**: we take the erased last half page of John as still legible (verses affected not specified).
* codices **cx**: where torn, but we assume they are legible.

Where there is mention of a first hand (\*) and second hand (\*\*) in situ, or where a lectionary has a double but conflicting witness (indicated e.g. by e.g. y*semel*), we count each as one witness (**remembering to increase the total number of witnesses, except in the bracket cases mentioned above**). We count a double witness of the same reading in the same document as one witness (indicated by Scrivener by e.g. y*bis*).

Codex **u**: it seems to be based on Bennet's "miserably incompetent" collation of Matthew and Mark only. Options on how to use **u** in our counting:

* Ignore it completely. This complicates the counting, throws away what could be good evidence.
* Only count explicit mention of it (since the indictment is that its silence is untrustworthy). This would bias against TR, since support for TR would not be counted.
* Treat it like any other manuscript. This could bias towards TR, as overlooked deviations from TR would be counted as supporting the TR.
* Be explicit where Scrivener is explicit, 17+u/20

For simplicity, we treat it like any other manuscript, and refer our reader to Scrivener in cases where the reader would like the detail. Where **u** is in a small group of witnesses for the TR, so obtained by elimination of witnesses reading otherwise, we remark that **u** is very doubtful.

Codices **j** (now part of codex N, Purpureus) and **x** (now lectionary 𝑙 183) are in uncials.